



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 533] नई दिल्ली, संग्रहालय, दिसम्बर 14, 1976/अग्रहायण 23, 1898

No. 533] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 14, 1976/AGRAHAYANA 23, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th December 1976

S.O. 795(E).—In exercise of the powers conferred by section 169 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Central Government, after consulting the Election Commission, hereby makes the following rules further to amend the Conduct of Elections Rules, 1961, namely:—

1. **Short title.**—These rules may be called the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1976.

2. **Amendment to Rule 73.**—In rule 73 of the Conduct of Elections Rules, 1961, for clause (e) of sub-rule (2), the following shall be substituted, namely:—

“(e) there is any figure marked otherwise than with the article supplied for the purpose:

Provided that this clause shall not apply to a postal ballot paper:

Provided further that where the returning officer is satisfied that any such defect as is mentioned in this clause has been caused by any mistake or failure on the part of a presiding officer or polling officer, the ballot paper shall not be rejected, merely on the ground of such defect.”

[No. F. 7(3)/76-Leg.II]

E. VENKATESWARAN, Jt. Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1976

का० प्रा० 795 (अ).—केन्द्रीय सरकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात्, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का नाम निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

2. नियम 73 का संशोधन.—निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 73 में, उपनियम (2) के खण्ड (ऊ) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

“(ऊ) कोई ऐसा अंक है जिसे चिन्ह लगाने के प्रयोजन के लिए परिवर्तन वस्तु से भिन्न किसी वस्तु से चिह्नित किया गया है:

परन्तु यह खण्ड किसी डाक-मतपत्र को लागू नहीं होगा :

परन्तु यह और कि जहाँ रिटनिंग आफिसर का यह समाधान हो जाता है कि इस खण्ड में उल्लिखित किसी किस्म की कोई छूटि पीठासीन आफिसर या मतदान आफिसर की गलती या चूक से हुई है वहाँ मात्र ऐसी त्रुटि के आधार पर मतपत्र अस्वीकृत नहीं किया जाएगा”।

[सं० फा० 7(3)/76 विधा० II]

ई० वेकटेश्वरन, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976